

भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 566
03.02.2026 को उत्तर के लिए नियत

कर्नाटक में ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस विनिर्माण कॉरिडोर

566. श्री पी. सी. मोहन:

क्या भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) कर्नाटक में विशेष रूप से बेंगलुरु क्षेत्र में ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस विनिर्माण गलियारे के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है;
- (ख) देवनहल्ली के निकट सहायता प्रदान की जा रही या नियोजित एयरोस्पेस और 'प्रेसिजन इंजीनियरिंग क्लस्टरों' का प्रस्तावित प्रमुख अवसंरचना सुविधाओं सहित ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार उक्त क्लस्टरों में ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस और उन्नत विनिर्माण इकाइयों के लिए सामान्य परीक्षण, प्रमाणन और सत्यापन सुविधाएं स्थापित करने हेतु केंद्रीय सहायता प्रदान कर रही है या प्रदान करने का विचार कर रही है; और
- (घ) निवेश, रोजगार सृजन और उच्च मूल्य वाले विनिर्माण के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में कर्नाटक की भूमिका को मजबूत करने पर इन पहलों का अपेक्षित प्रभाव क्या होगा?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) : उद्योग, चूंकि, राज्य का विषय है, इसलिए भारी उद्योग मंत्रालय कर्नाटक राज्य सहित देश के किसी भी हिस्से में उद्योग की स्थापना से संबंधित काम नहीं करता है। हालाँकि, कर्नाटक सरकार ने निम्नलिखित जानकारी प्रदान की है:

- i. राज्य सरकार ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास 1000 एकड़ ज़मीन पर एयरोस्पेस पार्क चरण-1 तैयार किया है, जिसमें से 250 एकड़ एयरोस्पेस सेक्टर के खास एसईजेड के लिए नियत किया गया है। इस पार्क में कोलिन्स एयरोस्पेस, डायनेमैटिक टेक्नोलॉजीज़, सेंटम, सैसमॉस, बेलेट्रिक्स, बोइंग और कई अन्य प्रमुख ए एंड डी कंपनियां शामिल हैं।
- ii. साउथ कर्नाटक क्षेत्र, खासकर कोलार, चिक्काबल्लापुर और ग्रामीण बेंगलोर का एयरोस्पेस और डिफेंस में उत्कृष्ट निष्पादन का एक शानदार इतिहास रहा है। एचएएल

का यहां मुख्यालय है, टीएसएल सी130जे के लिए अंतिम असेंबली तैयार कर रही है, और एयर इंडिया और इंडिगो एमआरओ ऑपरेशन बढ़ा रहे हैं, दक्षिण कर्नाटक भारत के लिए एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण का केंद्र बनने के लिए तैयार है।

iii. होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, वोल्वो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और कई अन्य सहायक उद्योग द्वारा कोलार और बेंगलुरु ग्रामीण जिले में अपने विनिर्माण केंद्र स्थापित किए हैं।

(ख) : कर्नाटक राज्य सरकार ने सूचित किया है कि:

- i. बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के आस-पास का इलाका तेज़ी से एक एयरोस्पेस क्लस्टर बन गया है, जिसे केआईएडीबी एयरोस्पेस पार्क, एयरपोर्ट पर मौजूद एमआरओ सुविधाओं और एयरोस्पेस बनाने वालों की दिलचस्पी से मदद मिली है। केआईएडीबी एयरोस्पेस पार्क केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास है। केआईएएल के पास एयरोस्पेस चरण-2 पार्क भी बनाया जा रहा है।
- ii. इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर देखरेख, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिससे उस क्षेत्र का वैमानिकी पारितंत्र सुदृढ़ होगा। इन परियोजनाओं में एयर इंडिया और इंडिगो के एमआरओ शामिल हैं।
- iii. अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे की समीपता, औद्योगिक स्थल की मौजूदगी और मौजूदा एयरोस्पेस मैनुफैक्चरिंग बेस की वजह से, कई एयरोस्पेस और उससे जुड़ी कंपनियों ने देवनहल्ली और उसके आस-पास कार्य-संचालन शुरू करने और भूमि तलाशने में दिलचस्पी दिखाई है।

(ग) : केंद्रीय सहायता के लिए भारी उद्योग मंत्रालय में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(घ) : कर्नाटक राज्य सरकार ने सूचित किया है कि:

- i. एयरोस्पेस और रक्षा नीति 2022-27 का उद्देश्य एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में लगभग 45,000 करोड़ रुपये का निवेश अर्जित करना, साथ ही लगभग 60,000 और नौकरियां सृजित करना है। यह पॉलिसी कर्नाटक के एमआरओ और अंतरिक्ष अनुप्रयोग पारितंत्र के विकास और इसके अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना को सुदृढ़ करने को प्राथमिकता देती है। समग्र रूप से इसका उद्देश्य कर्नाटक की स्थिति को एक अग्रणी एयरोस्पेस और डिफेंस हब के तौर पर मजबूत करना है।
